विक्रम संवाद

पाक्षिक आलेख सेवा/नि:शुल्क वितरण के लिए

संपादक
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
बड़ला भवन, देवास रोड, उज्जैन 456010
फोन : 0734–2521499, 0755–2660407
Email : mvspujjain@gmail.com
vikramadityashodhpeeth@gmail.com
Web : www.mvspujjain.com

इस अंक में

पृष्ठ क्र. 1
सीएम ने किया भारतीय नव वर्ष का...

पृष्ठ क्र. 3
मुख्यमंत्री ने ब्रह्मध्वज का किया पूजन...

पृष्ठ क्र. 5
विक्रमोत्सव : पाँच दिवसीय पौराणिक...

पृष्ठ क्र. 8
मध्यप्रदेश बनायेगा नई स्पेस पॉलिसी...

सीएम ने किया भारतीय नव वर्ष का अभिनंदन जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत विक्रम सम्वत्, भारतीय नव वर्ष अभिनंदन, सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा, उज्जयिनी गौरव दिवस एवं जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ माननीय राज्यपाल मंगुभाई पटेल, माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय डॉ. अर्जुनराम मेघवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विधि एवं न्याय, भारत सरकार ने की। कार्यक्रम में विक्रम पंचांग 2082, कला पंचांग, सार्वभौम सम्राट विक्रमादित्य– पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, लोक कथाओं का कीर्तिपुरूष विक्रमादित्य – डॉ. पूरन सहगल, कालकाचार्य कथा की परंपरा– विनोद कुमार सुनार, जल स्रोत एवं जल संवर्धन – डॉ. प्रभा श्रीनिवासुलु, मंदिरों की छाया में बसे शहर – डॉ. आभा सेन एवं भारत विक्रम – श्रीराम तिवारी, राजेश्वर त्रिवेदी, प्रवीण पाटोद, उज्जैन का रंगों से भरा इतिहास, नर्मदा पुरम में स्वाधीनता संग्राम एवं रायसेन जिले में स्वाधीनता संग्राम का लोकार्पण हुआ। इसके पहले ड्रोन शो अंतर्गत 1000 से अधिक ड्रोन्स ने आकाश में कई अद्भुत आकृतियों को प्रस्तुत किया। सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल की सांगीतिक प्रस्तुति के साथ भव्य आतिशबाजी हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् 2082 चौत्र शुक्ल प्रतिपदा के शुभ अवसर पर उज्जैन में विक्रमोत्सव के प्रसंग में आयोजित कार्यक्रमों में प्रदेशवासियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार ज्ञापित करता हूँ। जिन्होंने दुनिया की पहली वैदिक घड़ी और भगवान महाकाल के अद्भुत महालोक की सौगतों से महाराजा विक्रमादित्य की उज्जयिनी के गौरव और वैभव की पुनर्स्थापना की है। विक्रमोत्सव का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। यह दिन हमारे लिए एक नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हमारे पूर्वजों के योगदान को याद करने का अवसर है। नववर्ष का यह पर्व विविध स्वरूपों में मनाया जाने वाला एक भारत–श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को स्थापित करता है। इसे कहीं गुड़ी पड़वा तो कहीं चौती चांद, कहीं युगादि तो कहीं उगादि और कहीं नवरोज अगदु के अलग–अलग रूपों में मनाया जाता है। इसी के साथ नौ दिन

आरोग्य, साधना और कायाकल्प के नवरात्र का भी आरंभ होता है। विक्रम सम्वत् वर्ष का प्रवर्तन भारतीय सम्राट विक्रमादित्य के द्वारा विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर, उनके राज्यभिषेक के दिन से होता है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि नव सम्वत्सर की तिथि सृष्टि निर्माण की तिथि है, जिसका निर्धारण संपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ हुआ है। वास्तव मे भारतीय नववर्ष चौत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भारतीय नववर्ष प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण की प्रेरणा देता है, जिसमें सृष्टि, संस्कृति और समाज का संगम है। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। इसे मनाने की परंपरा व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि को ध्यान में रखकर शुरू की गई। यह हम सब प्रदेशवासियों के लिये गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् उज्जयिनी से शुरू हुआ है। सम्राट विक्रमादित्य का सारी दुनिया में न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, और वीरता जैसी विशेषताओं के लिए स्मरण किया जाता है। राज्यपाल ने उत्सव में विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ सम्राट विक्रमादित्य के समूचे व्यक्तित्व, कृतित्व और विशेषताओं को परिचित कराने के राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई और मंगलकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगरी सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल की नगरी है। उज्जयिनी वह नगरी है जिसमें योगीराज श्रीकृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की तो अनेक राजा महाराजाओं ने अपने न्याय प्रिय शासन से दुनिया को न्याय की ओर मोड़ा। आज का दृश्य देख कर लग रहा है मानो आज सम्राट विक्रमादित्य स्वयं इस नगरी में पधारे हैं। हम सबके लिए यह सौभाग्य की बात है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में श्रीमहाकाल महालोक का निर्माण हुआ और भगवान श्रीमहाकालेश्वर की नगरी का वैभव और बड़ा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उनका शासन काल रामराज्य की याद दिलाता है। हमारी सरकार भी निरंतर जनता की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। विक्रमादित्य ने अपने पुरुषार्थ से अपनी प्रजा का ध्यान रखा और सदैव प्रजा की रक्षा की। उन्होंने जनता का कर्ज माफ किया। उन्होंने विक्रम संवत् का प्रवर्तन करते हुए सनातन परंपरा की पुनर्स्थापना की। सम्राट विक्रमादित्य की न्याय परंपरा का लोहा आज भी माना जाता है। उनकी न्याय प्रियता हजारों साल से जानी जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मेघवाल से अनुरोध किया कि भविष्य में उज्जैन में न्याय से जुड़ी राष्ट्रीय संस्था सम्राट विक्रमादित्य के नाम से प्रारंभ की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव सम्वत्सर पर सभी लोगों के जीवन में खुशहाली की कामना की और सभी को अपनी ओर से नव सम्वत्सर की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी निरंतर विकास के कार्य सरकार द्वारा किए जाएंगे और इस प्रकार के आयोजन हर्षोल्लास के साथ आयोजित किए जाएंगे। उज्जैन में राजा महाराजा काल के जैसी होटल सम्राट विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का लोकार्पण भी किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यपाल पटेल की उपस्थिति में विक्रमोत्सव के कार्यक्रम से प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की जा रही है। प्रदेश के सभी जिलों में प्रभारी मंत्री, विधायक और अन्य जनप्रतिधियों की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम से जल गंगा संवर्धन अभियान आज से शुरू हो गया है। उज्जैन में 100 से अधिक कुआं, बावड़ी, तालाबों और अन्य जल स्त्रोतों में स्वच्छता, जीर्णोद्धार और नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है।केंद्रीय मंत्री डॉ. अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि आज हम सब क्षिप्रा नदी के पावन तट पर विक्रमोत्सव मना रहे हैं। उन्होंने अपनी ओर से सबका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मध्वज का किया पूजन, श्रीमहाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर हुआ स्थापित

माननीय मुख्यपमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने हिंदू नववर्ष चौत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम संवत् 2082 और गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर उज्जैन में माँ क्षिप्रा जी के तट पर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया। इसके पहले मुख्यमंत्री जी ने ब्रह्मध्वज की पूजा अर्चना की। जिसके बाद सर्वप्रथम ब्रह्मध्वज श्रीमहाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर स्थापित किया गया। इसके अलावा उज्जैन के प्रमुख मंदिरों में ब्रह्मध्वज को पूजन के बाद समर्पित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को सृष्टि आरम्भ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विक्रम संवत 2082वां वर्ष प्रारंभ हुआ है। शिप्रा के किनारे हमने इस नए साल को धूमधाम से मनाया। ब्रह्मध्वज का आज लोकार्पण भी किया गया।

मुख्यमंत्री यादव और केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने किया वीर भारत संग्रहालय का भूमि पूजन

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत विक्रम सम्वत, भारतीय नव वर्ष अभिनंदन, सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, माननीय डॉ. अर्जुनराम मेघवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विधि एवं न्याय, भारत सरकार ने युगयुगीन भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता की गौरवगाथा को केन्द्रित वीर भारत संग्रहालय का भूमि पूजन किया। पंडित चंदन व्यास ने मंत्रोंच्चार कर भूमि पूजन कार्य सम्पन्न करवाया। पूजन में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, माननीय डॉ. अर्जुनराम मेघवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विधि एवं न्याय, भारत सरकार बैठे थे। इसके पूर्व वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया और वीर भारत संग्रहालय की रूपरेखा रखी।

उन्होंने कहा कि भारतवर्ष के गौरवशाली और पराक्रमी अतीत से सुपरिचय तथा प्रेरणा हमारे समय की अपरिहार्य आवश्यकता है। यह एक राष्ट्रव्यापी, महत्वाकांक्षी स्वप्न है जिसे चरितार्थ करने के लिए वीर भारत संग्रहालय में भारत की तेजस्विता और पराक्रम के विभिन्न आयामों को व्यापक रूप से प्रस्तुत किये जाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है। तेजस्विता और शौर्य हमारे जीवन, परंपरा, चित्त–वृत्ति, चिंतन–प्रकृति, दर्शन, जीवन मूल्य, आस्था और विश्वासों का स्वर है। हमारा प्रयास है कि वीर भारत संग्रहालय में राष्ट्र की सभी मंगलकारी दृष्टियों का प्रतिबिंबन हो।

पार्श्व गायिका सुश्री श्रेया घोषाल द्वारा भजनों और गानों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके पहले ड्रोन शो हुआ।

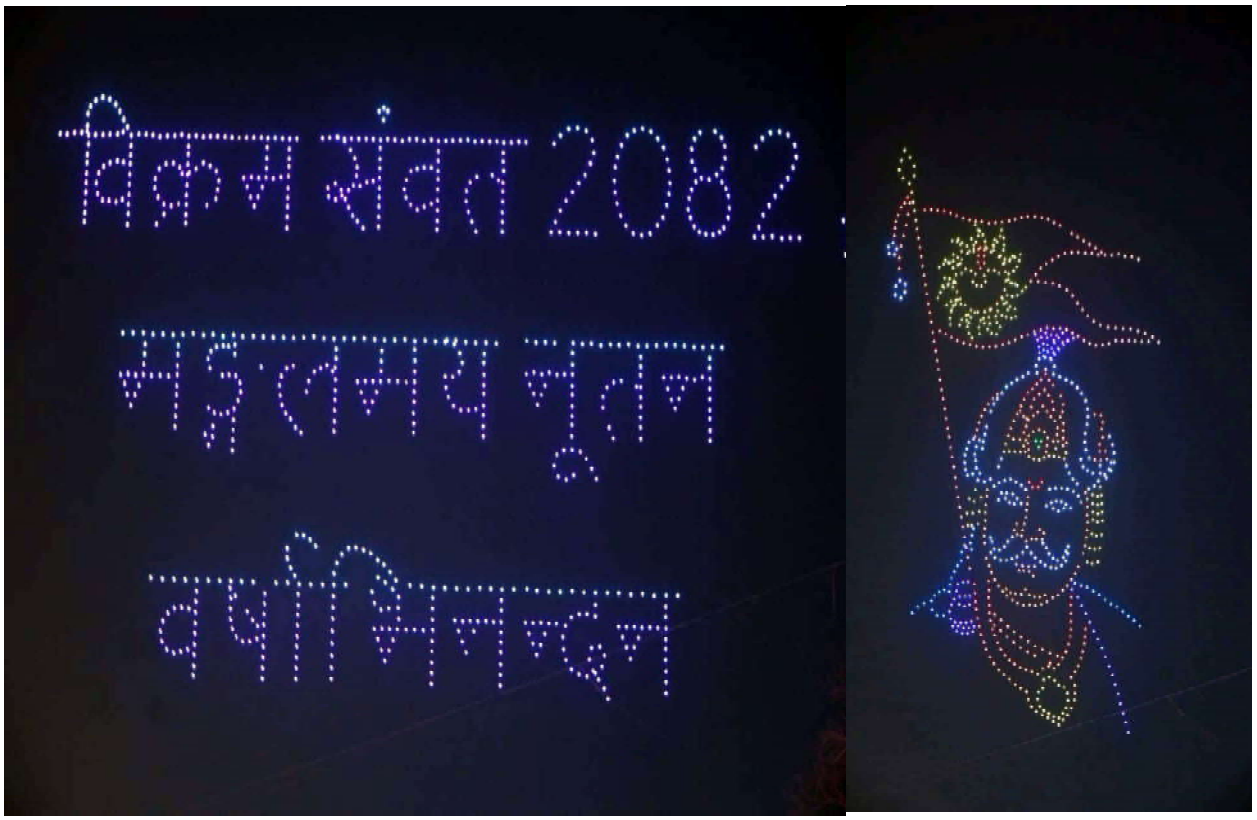

विक्रमोत्सव : पाँच दिवसीय पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का 21 मार्च 2025 को भव्य शुभारंभ हुआ। 25 मार्च तक चलने वाले इस महोत्सव के पहले दिन नेपाल दूतावास के राजनयिक रवींद्र जंग थापा ने कहा कि मुझे ऐतिहासिक और पौराणिक शहर उज्जैन आकर बेहद खुशी हुई है यह विक्रमादित्य का महानगर है और हम विक्रम सम्वत् को मानने वाले दुनिया के पहले देश नेपाल से आये है। विक्रम सम्वत् हमारा राष्ट्रीय सम्वत् है जिसकी शुरुआत सम्राट विक्रमादित्य ने की थी। इस अवसर पर फिजी गणराज्य का उच्च आयोग एच.ई. जगन्नाथ सामल (उच्चायुक्त), नेपाल दूतावास रवींद्र जंग थापा व दीपक राज निरौला राजनयिक दक्षिण अफ्रीकी उच्चायोग की रामसेला एवलिन लेसोथो उच्च आयोग बोहलोकिमोरोजेल व मोत्सेलिसी बर्नाडेटो फात्सिमो मोखोथो सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इन सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर इस फिल्म समारोह का भव्य शुभारंभ किया।

इस मौघ्के पर भारत में नेपाल दूतावास के रविंद्र जैन थापा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेपाल एक बहुत ही खूबसूरत देश है, जहाँ फिल्म मेकिंग की अपार संभावनाएँ हैं। फिल्मों के माध्यम से हम सांस्कृतिक आदान–प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ तथा मध्य प्रदेश शासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि मेरे लिए यह बहुत ही गौरव की बात ही किया मुझे इस फिल्म समारोह में आमंत्रित किया गया।

लेसेथो और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंध बहुत मजबूतः इस समारोह को संबोधित करते हुए अफ्रीकी देश लेसेथो देश कि राजनयिक मोत्सेलिसी बर्नाडेटो फात्सिमो मोखोथो ने कहा की लेसेथो और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंध ा बहुत मजबूत है और इस तरह के फिल्म समारोह के माध्यम से हम चाहेंगे कि दोनों देश एक दूसरों की संस्कृतियों से परिचित हो। सिनेमा अपने आप को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। मैं उम्मीद करती हूँ कि यह फिल्म समारोह दोनों देशों के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने जैसा महत्वपूर्ण कार्य करेगा।

रामायण, महाभारत और गीता आज भी फिजीवासियों के दिल में: फिजी गणराज्य का उच्च आयोग एच.ई. जगन्नाथ सामल (उच्चायुक्त) ने कहा कि भारत और फिजी का रिश्ता सदियों पुराना है। हमारे देश की आदि से अधिक आबादी भारतवंशियों की है। रामायण, महाभारत और गीता आज भी फिजी के भारतवंशियों के श्रद्धा के केंद्र में है। यह वह विरासत है जो हमारे पूर्वज इस देश से अपने साथ लेकर आए थे। भारतीय फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी फिल्में विशेष कर बॉलीवुड की फिल्में फिजी में बेहद लोकप्रिय है। भारत के सहयोग से फिजी में बहुत सारे महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज तथा विक्रम विश्वविद्यालय कार्य परिषद के अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाह ने किया। इसके उपरांत सभी सम्माननीय अतिथियों महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ परिसर में प्रदर्शित भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित प्रदर्शनी आर्ष भारत का अवलोकन भी किया।

नाइजीरिया के उच्चायुक्त जॉनी ने कहा– प्राचीन शहर उज्जैन की दुनिया में अलग पहचान

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव (आईएफएफएएस) के दूसरे दिन नाइजीरिया के उच्चायुक्त एच.ई. उबोंग अकपन जॉनी, प्रथम सचिव अलखुले वुराओला सेनामी, डिप्लोमेट अटैची बशीर उस्मान उपस्थित थे। इस अवसर पर उबोंग अकपन जॉनी ने कहा कि भारत और नाइजीरिया का ऐतिहासिक अतीत रहा है। विगत कई वर्षों से भारत और नाइजीरिया के मध्य सांस्कृतिक संबंधों का आदान–प्रदान हो रहा है। यह निश्चित ही दोनों देशों के लिए अच्छी बात है। भारत के प्राचीन शहर उज्जैन की दुनिया में अलग पहचान है। किसी भी देश की पहचान उसकी संस्कृति होती है विशेष रूप से भाषा, कला साहित्य और फिल्म जैसे माध्यम संस्कृतियों को विस्तार देते हैं। फिल्म अभी एक ऐसा माध्यम है जो दुनिया को एक साथ और पास लाने का कार्य हमेशा से करता रहा है। नाइजीरियन फिल्म उद्योग भारत के बॉलीवुड के बाद भी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है। जिसे नालीवुड के नाम से जाना जाता है। भारत और नाइजीरिया के मध्य अनेक सांस्कृतिक समझौते हमेशा से होते रहे हैं और इसके माध्यम से दोनों देशों की संस्कृति व कला को जानने समझने का अवसर मिला है। इस फिल्म समारोह में आमंत्रित करने के लिए उन्होंने मध्य प्रदेश शासन का आभार भी व्यक्त किया। इस फिल्म समारोह के दूसरे दिन विभिन्न भाषाओं की 9 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भार्गव तथा वरिष्ठ पुरातत्वविद डॉ. रमण सोलंकी ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। आभार डॉ. रमन सोलंकी ने व्यक्त किया

हमारे गौरवशाली अतीत को सामने ला रहा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव : मुख्यमंत्री यादव

धार्मिक और पौराणिक फिल्मों का फेस्टिवल हमारे लिए एक चुनौती था लेकिन आज पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव हमारे गौरवशाली अतीत को सामने लाने का काम कर रहा है। आप सभी को पता है कि भारत का अतीत काफी सुंदर पृष्ठों से सजा है, जिसे सभी को पढ़ना और देखना चाहिए। यह बात माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव के समापन समारोह में कही। मुख्यमंत्री यादव ने कहा अतीत की कालजयी फिल्मों का प्रदर्शन अपने आप में अद्भुत है। आज 5000 साल पुराने भगवान श्रीकृष्ण के अतीत को समाज के सामने लाने का प्रयास सराहनीय है। मैं इस आयोजन के लिए आयोजकों का अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने यह भी बताया दादा साहब फाल्के ने पहली फिल्म बनाई वह भी राजा हरिश्चंद्र पर। उसके बाद इस कड़ी में सम्राट विक्रमादित्य पर भी फिल्म बनी। इसके लिए पृथ्वीराज कपूर स्वयं उज्जैन आए थे। विक्रमादित्य की बात भारत की बात नहीं पूरे विश्व की बात है, जिन्होंने अपने शासन से पूरे विश्व को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि विक्रमोत्सव में लगातार नए आयाम जुड़े रहे हैं। इसका स्वरूप अंतरराष्ट्रीय हो रहा है। पुरानी फिल्मों का यह समारोह हमारी प्राचीन विरासत, वैभव और संस्कृति को जानने के लिए एक बहुत बेहतर प्रयास है। भारतीय वैभव और विरासत से विश्व को परिचित करवाना हमारा काम है। इसके पूर्व सूरीनाम की राजनयिक सुनैना ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा सभी को सादर प्रणाम, राम–राम, जय महाकाल। उन्होंने कहा कि मैं उज्जैन शहर में दो दिनों से हूँ। मैंने उज्जैन की समस्याओं को देखने की कोशिश की लेकिन मुझे समस्याएँ तो नहीं मिली लोगों में समानता जरूर दिखाई दी।

विक्रम नाट्य समोराह में पौराणिक कथाओं की प्रस्तुति

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत विक्रम नाट्य समारोह में पौराणिक कथाओं को प्रस्तुत किया गया। नौ दिवसयी इस समारोह के प्रथम दिन अनिल दुबे द्वारा निर्देशित नाट्य प्रस्तुति देवी अहिल्याबाई का मंचन हुआ। समारोह अंतर्गत 22 मार्च को जयंत देशमुख निर्देशित श्रीकृष्ण तुम कब आओगे, 23 मार्च को कुलविंदर बक्शीश निर्देशित माधव, 24 मार्च को अतुल सत्य कौशिक निर्देशित चक्रव्यूह का मंचन हुआ। प्रस्तुति के माध्यम से संदेश दिया गया कि चक्रव्यूह केवल एक युद्ध कला तक ही सीमित नहीं है बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन के स्तर को समझने की ओर प्रेरित करता है। नाट्य प्रस्तुति में कुरुक्षेत्र की रक्त रंजित धरा को प्रदर्शित किया गया है। इसमें उत्तरा, अर्जुन, द्रोपदी और अन्य परिजनों के मन में भगवान श्रीकृष्ण से पूछे जाने वाले सवालों का उत्तर रखा गया है। अंततः श्रीकृष्ण का शाश्वत सत्य संदेश कि कोई भी अपने कर्मों में रचे गए स्वयं के चक्रव्यूह से कभी मुक्त नहीं हो सकता है।

इसके साथ ही 25 मार्च को सम्पत सिंह राठौर एवं अभिषेक भरायण द्वारा निर्देशित महादेव। 26 मार्च को मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल द्वारा तैयार किया गया वराहमिहिर की प्रस्तुति हुई। इस नाट्य प्रस्तुति को निर्देशक लोकेन्द्र त्रिवेदी ने निर्देशित किया था। 27 मार्च को त्रिवेंद्रम की संस्था द्वारा कर्णभार का मंचन हुआ जिसका निर्देशन नारायणी पणिक्कनर द्वारा किया गया। 28 मार्च को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली द्वारा तैयार किया नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम् की प्रस्तुति हुई। समारोह के अंतिम दिन मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा तैयार किया गया नाटक मृच्छकटिकम् का मंचन हुआ। जिसका निर्देशन मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के निदेशक टीकम जोशी द्वारा किया गया।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में गूंजे काव्य के रंग, कवियों ने किया मंत्रमुग्ध

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन से उज्ज्जैन का टावर चौक काव्य रसधारा से सराबोर हो उठा। देशभर से पधारे ख्याति प्राप्त कवियों ने ओज, वीर, हास्य और श्रृंगार से भरपूर अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान हास्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने अपने चुटीले अंदाज में दर्शकों को खूब हंसाया, जबकि नई दिल्ली से पधारी श्रृंगार रस की कवयित्री कीर्ति काले ने अपनी मधुर रचनाओं से समां बांधा।

सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार शेखर अस्तित्व, संजू फेमा (मुंबई), सुदीप श्रोला (जबलपुर) और सुरेश अलबेला (मुंबई) ने भी अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोहा। ओज और वीर रस से सराबोर कविताओं की प्रस्तुति अशोक चारण ओज (जयपुर) और गौरव चौहान (इटावा) ने की, जबकि भक्ति रस के कवि पं. सात्विक नीलदीप (अयोध्या) ने अपने काव्य पाठ से श्रद्धा का भाव जगाया।

गीतकार पुष्पेंद्र पुष्प (बड़नगर) ने अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इसके पहले उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, विक्रम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कार्यपरिषद सदस्य राजेश कुशवाह, विक्रम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पुराविद डॉ. रमण सोलंकी ने सभी कविगणों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सूत्रधार अंतर्राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज ने किया।

मध्यप्रदेश बनायेगा नई स्पेस पॉलिसी : मुख्यमंत्री

उज्जैन विज्ञान प्रेमियों का नगर हमेशा से ही रहा है यह नगर कालगणना के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। विज्ञान प्रौद्योगिकी और उसमें नवाचार के माध्यम से ही हम विकास की बात कर सकते हैं और यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मध्यप्रदेश जल्द ही अपनी नई स्पेस पॉलिसी बनाएगा। मध्यप्रदेश विज्ञान अनुसंधान केंद्र की स्थापना के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाएगा। हमेशा विकट परिस्थितियों एवं चुनौतियों के बीच देश के वैज्ञानिकों ने ही देश को सुरक्षित किया है और भारत की शाह को विश्व स्तरीय बनाया है। आज विज्ञान के क्षेत्र में भारत ग्लोबल लीडर बन रहा है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रमोत्त्सव 2025 अंतर्गत राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव के शुभारंभ अवसर पर कही। वर्चुअल शामिल हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति विज्ञान आधारित है।

विज्ञान आधारित आज कृषि, रक्षा सहित अनेक क्षेत्रों को विज्ञान ने बहुत ही सशक्त और जनसुलभ बनाया है। इससे हमारी आर्थिक प्रगति भी हुई है। इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। वर्तमान में देश में युवा वैज्ञानिकों के लिए बहुत अवसर है उन्हें एक क्षेत्र में आगे आना चाहिए। युवाओं को आगे बढ़ाने मध्यप्रदेश व भारत सरकार की कई योजनाएँ है जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है। सुदूर संचार उपग्रह केंद्र हैदराबाद के डॉ. प्रकाश चौहान संबोधित करते हुए कहा कि देश में स्पेस पॉलिसी के माध्यम से युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा नए स्टार्टअप सामने आयेंगे। हमारा प्रयास युवा वैज्ञानिकों और उनकी सोच को उचित स्थान देना है। विश्व की आर्थिक प्रगति में विज्ञान ने हमेशा ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब तक हम विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर जोर नहीं देंगे तब तक आर्थिक व सामाजिक रूप से हम सक्षम नहीं हो सकते।

इससे पूर्व मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी तथा विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु अर्पण भार्गव ने मुख्य अतिथि महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी के साथ ही डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा, विवेकानंद पाई–राष्ट्रीय महासचिव विज्ञान भारती, डॉ. प्रकाश चौहान, डॉ. आरसी रानाडे, डॉ. राकेश सिंघाई का स्वागत किया। यह सम्मेलन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की सहभागिता में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित किया गया है।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के लिए बिड़ला भवन, देवास रोड, उज्जैन 456010 से प्रसारित। संपादक : श्रीराम तिवारी, समन्वयक : राजेश्वर त्रिवेदी

आलेख सेवा निःशुल्क वितरण के लिए। फोन : 0734–2521499, 0755–2660407 Email:mvspujjain@gmail.com, vikramadityashodhpeeth@gmail.com